J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 09.09.2020

PUNJAB KESARI

हरित प्रौद्योगिकी को अपनाना होगा: गोपाल आर्य

पर्यावरण स्थिरता को बनाये रखने के लिए करने होंगे प्रभावी उपाय: प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 8 सितम्बर (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता विषय एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम आज प्रारंभ हो गया। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित इस कार्यक्रम में देश के 18 राज्यों से करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्तावित नीले आसमान लिए प्रथम अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस को चिह्नित करते हुए किया, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य, जीवन और पर्यावरण के लिए शुद्ध वायु के महत्व को लेकर जागरूकता लाना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य, विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष और भारतीय मौसम विभाग, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. एल.एस. राठौड़ और सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफइंडिया (एसईएसआई) के अध्यक्ष, नई दिल्ली डॉ. प्रफुल्ल पाठक सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का समन्वय सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम.एल. अग्रवाल और पर्यावरण विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. रेनूका गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व को रेखांकित किया। कोरोना महामारी के प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के सभी नकारात्मक प्रभावों के अलावा इस महामारी ने हमें प्रकृति के महत्व को महसूस करने का अवसर भी दिया है। लॉकडाउन अवधि के दौरान प्रदूषण के स्तर में कमी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि फरीदाबाद ने 50-100 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया है जो महामारी से पहले 400-600 था। उन्होंने इस सूचकांक स्तर को बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया और विद्यार्थियों से पर्यावरण को बनाये रखने के लिए पेड़ लगाने और अपनाने का आह्वान किया।

आनलाइन कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रतिभागी। *(छाया: एस शर्मा)*

हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता पर कार्यक्रम शुरू

सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल फरीदाबाद जैसे शहरों में हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया। श्री आर्य ने सतत विकास और पर्यावरण के अनुकूल उद्योगों की आवश्यकता को जरूरी बताया। उन्होंने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों में इको-क्लबों गठित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसईएसआई), नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ प्रफुल्ल पाठक ने अपने संबोधन में भारत में सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी की उन्नति और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रसार के लिए सरकार द्वारा की गई पहल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा भंडारण प्रणाली के विकास ने सौर ऊर्जा उद्योग में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि जन परिवहन प्रणाली के लिए ई-वाहन अब समय की मांग है।

विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष डॉ. एल.एस. राठौड़ ने पर्यावरण संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा संसाधनों की दक्षता में वृद्धि के साथ उत्पादन पैटर्न, खपत पैटर्न, परिवहन पैटर्न को बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। इससे पहले अपने स्वागत भाषण में सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एम.एल. अग्रवाल ने कार्यक्रम तथा इसके उद्देश्य के बारे में एक संक्षिप्त परिचय दिया। पर्यावरण विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. रेनूका गुप्ता ने कार्यक्रम के प्रमुख विषय पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को विभिन्न विशेषज्ञता के अंत:विषय विषयों में काम करने वाले संकाय सदस्यों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है और कार्यक्रम में मेलबर्न युनिवर्सिटी, पार्कविले, ऑस्ट्रेलिया, डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी, अब्राहका (नाइजीरिया) सहित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के अलावा पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले गैर सरकारी संगठनों और कॉर्पोरेट क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपने व्या यान प्रस्तुत करेंगे। सत्र का समापन पर कुलसचिव डॉ. एस के गर्ग ने अतिथि वक्ताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजक विभागों को शुभकामनाएं दीं। डॉ. विशाल पुरी और डॉ. सोमवीर बाजड़ कार्यक्रम के आयोजन सचिव हैं।

पंजाब केसरी ई-पेपर

Wed,09 September 2020

Edition: faridabad kesari, Page no. 4

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 09.09.2020

THE PIONEER

कोरोना महामारी ने प्रकृति का महत्व समझाया : प्रो. दिनेश

पर्यावरण और सतत विकास के लिए हरित प्रौद्योगिकी को अपनाना होगा: गोपाल आर्य

कार्यक्रम में देश के 18 राज्यों से हिस्सा ले रहे हैं करीब 200 प्रतिभागी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आनलाइन कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रतिभागी एवं अन्य

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता विषय एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम प्रारंभ हो गया। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित इस कार्यक्रम में देश के 18 राज्यों से करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्तावित नीले आसमान लिए प्रथम अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस को चिह्नित करते हुए किया, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य, जीवन और पर्यावरण के लिए शुद्ध वायु के महत्व को लेकर जागरूकता लाना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य, विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष और भारतीय मौसम विभाग, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. एलएस राठौड़ और सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसईएसआई) के अध्यक्ष, नई दिल्ली डॉ. प्रफुल्ल पाठक सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का समन्वय सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम.एल. अग्रवाल और पर्यावरण विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. रेनूका गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व को रेखांकित किया। कोरोना महामारी के प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के सभी नकारात्मक प्रभावों के अलावा इस महामारी ने हमें प्रकृति के महत्व को महसूस करने का अवसर भी दिया है। लॉकडाउन अवधि के दौरान प्रदूषण के स्तर में कमी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि फरीदाबाद ने 50-100 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया है जो महामारी से पहले 400-600 था। उन्होंने इस सूचकांक स्तर को बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया और विद्यार्थियों से पर्यावरण को बनाये रखने के लिए पेड़ लगाने और अपनाने का आह्वान किया।

सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल फरीदाबाद जैसे शहरों में हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया। श्री आर्य ने सतत विकास और पर्यावरण के अनुकूल उद्योगों की आवश्यकता को जरूरी बताया। उन्होंने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों में इको-क्लबों गठित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसईएसआई), नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ प्रफुल्ल पाठक ने अपने संबोधन में भारत में सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी की उन्नति और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रसार के लिए सरकार द्वारा की गई पहल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा भंडारण प्रणाली के विकास ने सौर ऊर्जा उद्योग में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि जन परिवहन प्रणाली के लिए ई-वाहन अब समय की मांग है। विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष डॉ. एल.एस. राठौड़ ने पर्यावरण संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा संसाधनों की दक्षता में वृद्धि के साथ उत्पादन पैटर्न, खपत पैटर्न, परिवहन पैटर्न को बदलने की आवश्यकता पर बल दिया।

इससे पहले अपने स्वागत भाषण में सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल ने कार्यक्रम तथा इसके उद्देश्य के बारे में एक संक्षिप्त परिचय दिया। पर्यावरण विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. रेनूका गुप्ता ने कार्यक्रम के प्रमुख विषय पर चर्चा की।

NEWS CLIPPING: 09.09.2020

HINDUSTAN

कोरोना ने प्रकृति का महत्व समझाया

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में मंगलवार को हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता विषय एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम शुरू हुआ। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी ने हमें प्रकृति के महत्व को महसूस करने का अवसर भी दिया है।

इस कार्यक्रम में देश के 18 राज्यों से करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रस्तावित नीले आसमान लिए प्रथम अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस को

आयोजन

- वाईएमसीए में हरित प्रौद्योगिकी पर एक सप्ताह का कार्यक्रम शुरू
- कार्यक्रम में 18 राज्यों से करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

चिह्नित करते हुए किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य, विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष और भारतीय मौसम विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. एलएस राठौड़ और सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसईएसआई) के अध्यक्ष डॉ. प्रफुल्ल पाठक बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का समन्वय सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल और पर्यावरण विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. रेनूका गुप्ता ने किया।

इस मौके पर कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि कोरोना का स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था सभी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा इस महामारी ने हमें प्रकृति के महत्व को महसूस करने का अवसर भी दिया है। लॉकडाउन में प्रदूषण के स्तर में कमी आई है। अब एक्यूआई 100 के आसपास है। डॉ. प्रफुल्ल पाठक ने अपने संबोधन में भारत में सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी की उन्नति और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रसार के लिए सरकार की ओर से की गई पहल के बारे में जानकारी दी।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 09.09.2020

NAVBHARAT TIMES

एजुकेशन हब के रूप में देश में पहचान बना रहा है फरीदाबाद

उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थानों और बेहतर माहौल ने स्टूडेंट्स का खींचा ध्यान

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

औद्योगिक नगरी के रूप में स्थापित हो चुका फरीदाबाद शहर शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी तरक्की कर रहा है। स्कूल एजुकेशन हो या फिर हायर एजुकेशन, सभी क्षेत्रों में जिला तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। जिले में लगातार अच्छे शिक्षण संस्थान खुल रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षा के लिए सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूती दी जा रही है।

शिक्षा क्षेत्र में हो रहे कार्यों के चलते इसमें कोई शक नहीं है कि पिछले कुछ सालों में फरीदाबाद एजुकेशन हब के रूप में उभरा है। न सिर्फ प्रदेश के बल्कि देश के कई राज्यों के स्टूडेंट्स हायर स्टडी के लिए फरीदाबाद के संस्थानों में दाखिले लेते हैं। इसके अलावा यहां के शिक्षण संस्थानों में बेहतर माहौल के कारण बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी पढ़ाई कर रहे हैं।

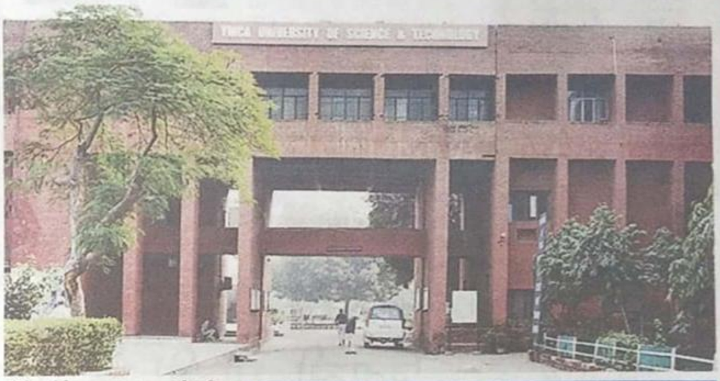

स्कूल एजुकेशन में हो रहा है सुधार

जिले में स्कूल एजुकेशन में लगातार सुधार हो रहा है। अगर हम सरकारी स्कूलों की बात करें तो जिले में 340 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें प्राइमरी स्कूल, मिडिल स्कूल, हाई स्कूल व सीनियर सेकंडरी स्कूल शामिल हैं। सरकारी स्कूलों में शिक्षा के क्षेत्र में काफी बेहतर काम किया जा रहा है। इसका अंदाजा पिछले कुछ सालों में रिजल्ट में आए सुधारों को देखकर लगाया जा रहा है। सरकार स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारने की तरफ भी लगातार ध्यान दे रही है। इसके लिए निजी संस्थानों द्वारा स्कूल गोद दिए जा रहे हैं, जिससे उनका जीर्णोद्धार व नवीनीकरण हो सके। आने वाले समय में जिले के 90 सरकारी स्कूलों को संस्कृति मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। इन स्कूलों में पूरी पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से होगी और स्कूलों में पेपर लेस तरीके से काम किया जाएगा। वहीं, जिले में 500 से अधिक निजी स्कूल भी हैं, जिसमें हरियाणा शिक्षा बोर्ड व सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूल भी शामिल हैं। निजी स्कूलों में आए दिन लगातार सुधार हो रहे हैं, जिससे स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा मिल रहा है। कोरोना काल में भी जिले में सरकारी व निजी स्कूलों की तरफ से बेहतर काम किया जा रहा है। छात्रों को घरों पर रहते हुए लगातार ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है। सरकारी स्कूलों के टीचर भी छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई करा रहे हैं।

हायर एजुकेशन में भी बढ़ रहे हैं आगे

अगर हायर एजुकेशन की बात करें तो जिले में हायर एजुकेशन से संबंधित 42 से अधिक शिक्षण संस्थान हैं। जिनमें सरकारी, निजी व तकनीकी शिक्षा वाले शिक्षण संस्थान हैं। कई शिक्षण संस्थान तो ऐसे हैं, जिनमें विदेशों से भी छात्र बढ़ने आ रहे हैं। इन शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्र आज देश-विदेश में अच्छे पदों पर काम कर रहे हैं। प्लेसमेंट के क्षेत्र में भी निजी शिक्षण संस्थानों के साथ सरकारी शिक्षण संस्थानों में भी बेहतर काम किया जा रहा है। लगातार कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कराकर योग्य छात्रों को रोजगार दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकारी कॉलेजों में भी बहुत अच्छे सुधार जिले में किए जा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में जिले में 3 नए सरकारी कॉलेज शुरू हुए हैं, जिनमें 2 महिला कॉलेज हैं। इन कॉलेजों के लिए नई बिल्डिंग तैयार करने का काम किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिल सकेगा। शहर के कॉलेजों में पलवल, मेवात, गुड़गांव के अलावा दिल्ली तक के छात्र पढ़ाई करते हैं।

तकनीकी शिक्षा क्षेत्र है काफी मजबूत

फरीदाबाद जिले में तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए काफी अच्छे विकल्प मौजूद हैं। प्रदेश की एक मात्र सरकारी तकनीकी वाईएमसीए यूनिवर्सिटी फरीदाबाद में स्थित है। इस यूनिवर्सिटी को अब जेसी बोस साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के नाम से जाना जाता है। तकनीकी शिक्षा से संबंधित तमाम कोर्स यूनिवर्सिटी में कराए जाते हैं। इसके साथ ही बहुत से प्रफेशनल कोर्स भी यहां पर कराए जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी से पास आउट कई छात्रों के नाम आज देश-विदेश में नामी कंपनियों से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा जिले में 7 आईटीआई भी हैं, जिनमें तकनीकी व कौशल विकास से संबंधित पढ़ाई कराई जा रही है। इन सरकारी आईटीआई के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारने के लिए भी काफी ध्यान दिया जा रहा है। कई संस्थाओं के लिए नई बिल्डिंग बनाने का काम भी चल रहा है।

जेसी बोस विवि में पर्यावरणीय स्थिरता पर वर्कशॉप शुरू

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस यूनिवर्सिटी में हरित प्रौद्योगिकी व पर्यावरणीय स्थिरता विषय एक सप्ताह का फैकल्टी डिवेलपमेंट कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हो गया है। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में देश के 18 राज्यों से करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य, विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष व भारतीय मौसम विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. एलएस राठौड़, सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. प्रफुल्ल पाठक सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का समन्वय सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रफेसर एनएल अग्रवाल व पर्यावरण विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. रेणुका गुप्ता कर रही हैं। इस मौके पर प्रफेसर दिनेश कुमार ने स्वच्छ व हरित पर्यावरण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व अर्थव्यवस्था के सभी नकारात्मक प्रभावों के अलावा इस महामारी ने हमें प्रकृति के महत्व को महसूस कराया है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद ने 50-100 के बीच एयर क्वालिटी इंडेक्स दर्ज किया है, जो महामारी से पहले 400 से 500 तक पहुंच जाता था।

NEWS CLIPPING: 09.09.2020

AMAR UJALA

पर्यावरण को स्वस्थ रखने के लिए पौधरोपण जरूरी

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में 'हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर एक सप्ताह का कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हुआ। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित इस कार्यक्रम में 18 राज्यों से करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए पौधरोपण जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य, विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष और भारतीय मौसम विभाग, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. एलएस राठौड़ और सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसईएसआई) के अध्यक्ष डॉ. प्रफुल्ल पाठक सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व को समझाया। कोरोना महामारी के प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के सभी नकारात्मक प्रभावों के अलावा इस महामारी ने हमें प्रकृति के महत्व को महसूस करने का अवसर भी दिया है। लॉकडाउन के दौरान प्रदूषण के स्तर में कमी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 50-100 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया है। ब्यूरो

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 09.09.2020

DAINIK BHASKAR

पर्यावरण स्थिरता को बनाये रखने के लिए करने होंगे प्रभावी उपायः प्रो. दिनेश

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में "हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता" विषय पर एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हुई। इसमें देश के 18 राज्यों से करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य, विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष और भारतीय मौसम विभाग नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. एलएस राठौड़ और सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. प्रफुल्ल पाठक सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व को रेखांकित किया।

NEWS CLIPPING: 09.09.2020

DAINIK JAGRAN

हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की जरूरत : गोपाल आर्य

जेसी बोस विश्वविद्यालय में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय में हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम मंगलवार से प्रारंभ हो गया। कार्यक्रम में देश के 18 राज्यों से करीब दो सौ प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य, विज्ञान भारती के उपाध्यक्ष डॉ. एलएस राठौड़ और सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसईएसआइ) के अध्यक्ष डॉ. प्रफुल्ल पाठक सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी ने स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर काफी नकारात्मक प्रभाव डाले हैं, लेकिन कोरोना ने हमें प्रकृति के महत्व को महसूस करने का अवसर भी दिया है। लॉकडाउन अवधि के दौरान प्रदूषण के स्तर में कमी आई थी। वायु गुणवत्ता सूचकांक 50-100 तक पहुंच गया था। पर्यावरण का वही स्तर बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। गोपाल आर्य ने कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल फरीदाबाद जैसे शहर में हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया। डॉ.प्रफुल्ल ने भारत में सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी की उन्नति और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रसार के लिए सरकार द्वारा की गई पहल के बारे में जानकारी दी।